वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 206 | शुक्रवार 22 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन' द्वारा 'तृतीय पद्म फेस्टिवल आयोजित

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 'तृतीय पद्म फेस्टिवल' का किया उद्घाटन, पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले देश की संस्कृति के गौरव। सफलता उन्हें ही मिलती हैं जो निरंतर मेहनत करते हैं...

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल बागडे गुरुवार को छत्रपति संभाजी नगर में ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'तृतीय पद्म फेस्टिवल' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' कविता की पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो निरंतर प्रयास करते हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि मानव जीवन महत्वपूर्ण नहीं होता है, महत्वपूर्ण होता है, मनुष्य उसे किस प्रकार आदर्श रूप में जीता है। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हें ही मिलती है जो निरंतर मेहनत करते हैं। देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के लिए कार्य करने वाले ही पूज्य होते हैं। उन्होंने पद्म पुरस्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में यह इसलिए प्रदान किए जाते हैं कि इन्हें पाने वालों से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी उत्कर्ष जीवन की ओर आगे बढ़ सकें। राज्यपाल बागडे गुरुवार को छत्रपति संभाजी नगर में ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'तृतीय पद्म फेस्टिवल' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' कविता की पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो निरंतर प्रयास करते हैं। उन्होंने युवाओं को 'विकसित भारत' के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है कि कोई फाउण्डेशन पद्म पुरस्कार पाने वालों के संवाद कार्यक्रम कर उनसे युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन में ज्ञान का यज्ञ ही सबसे महत्वपूर्ण है। बागडे ने कहा कि संस्कृति का अर्थ ही होता है, निरंतर जो परिवर्तन को लेकर चले। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। भारतीय संस्कृति इसीलिए विश्व भर में आज भी अपनी पहचान बनाए हुए कि इसमें नए परिवर्तनों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। इसमें संस्कारों की सुगंध समाई हुई है। आरंभ में उन्होंने पद्म पुरस्कार पाने वालों का अभिनंदन करते हुए ज्ञान फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर फाउण्डेशन के उमेश टाकळकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। अध्यक्षीय भाषण मिलिन्द केलकर ने देते हुए 'ज्ञानयज्ञ' द्वारा पद्म पुरस्कार संवाद को महत्वपूर्ण बताया। ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती वत्सला देशपांडे और अजय देशपांडे ने बताया कि फाउंडेशन के अंतर्गत इस बार 13 पद्म पुरस्कार प्राप्त हस्तियों के 13 संवाद सत्र रखे गए हैं। इनके अंतर्गत उनके ज्ञान से दूसरों को भी प्रेरणा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव पर देश की संस्कृति और कलाओं पर कार्य करने के अंतर्गत यह तीसरा पद्मत उत्सव आयोजित किया गया है।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि दल की मुलाकात

विधान सभा की संसदीय प्रणाली को बारीकी से समझा, राजस्थानी परम्परा से किया स्वागत, डिजिटल म्यूजियम को देखा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरूवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधान सभा पहुंचने पर सिंगापुर से आये सभी प्रतिनिधियों की अतिथि देवो भवः की परम्परा से तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर अगवानी की। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल नेता वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी को राजस्थान विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं और सदन संचालन की परम्पराओं को बारीकी से समझा। देवनानी ने सदन की बैठकों, कार्य विन्यास, कार्य सूची, प्रश्नों, पर्ची व्यवस्था, लोक महत्व के विषयों पर स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के पुनः स्थापन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। देवनानी ने सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल, सिंगापुर विधान मंडल की संसदीय व्यवस्था के विश्लेषण के साथ विभिन्न विधान मंडलों की व्यवस्था को भी बताया। उल्लेखनीय है कि देवनानी हाल ही में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया और जापान के विधान मंडलों की अध्ययन यात्रा करके लौटे हैं। दल ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा। देवनानी को प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान सुंदर प्रदेश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य विस्तार की अपार संभावनाएं है। इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर को नई दिशा मिलेगी। सिंगापुर से आये दल में वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, डेसमड टैन कोक मेंग, गेन सियो हुआंग, शॉन हुआंग, जी याओ क्यान, सुराचेल ओंग, सक्तियादी सुपाट सहित विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा मौजूद थे। आसाम विधान सभा की समिति ने देखी विधान सभा - विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आसाम विधान सभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के सदस्यों ने गुरूवार को विधान सभा में मुलाकात की। समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम को भी देखा। देवनानी ने कहा कि संसदीय समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि समिति जितनी सशक्त होगी, उतने ही राज्य सरकार में कार्य प्रभावी तरीके से होंगे। आसाम की समिति में पोकेम बरूच, फेनीघर तालुकदार, अजय कुमार रे, जोलेन डामरी, सिबमौनी वोरा और सुजाम उद्दीन लश्कर शामिल थे। आसाम की समिति के सदस्यों को राजस्थान विधान सभा की सहचर समिति के बारे में उप सचिव नन्द किशोर शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी।

विदेश यात्रा से लौटने पर देवनानी को दी शुभकामनाएं

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को गुरूवार को यहां विधान सभा में चार देशों की यात्रा से लौटने पर उनकी सार्थक और सफल यात्रा के लिये सांसद भजन लाल जाटव, राजस्थान विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा, हरि मोहन शर्मा, रफिक खान, सुभाष गर्ग, कालू लाल, मनीष यादव, जितेन्द्र गोठवाल, हरि सिंह रावत, और पूर्व विधायक जीतराम चौधरी सहित विधान सभा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने शुभकामनाएं दी।

उपाध्याय वृषभा नन्द जी ससंघ का जनकपुरी में मंगल प्रवेश

प्रांतीय धर्म जागृति संस्थान ने की भव्य अगवानी व गुरु अभिवंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसु नन्दी जी महामुनिराज के वरिष्ठ शिष्य उपाध्याय वृषभा नन्द जी का गुरुवार को जय जवान कालोनी से जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में गाजे बाजे व भक्ति भाव के साथ ससंघ मंगल प्रवेश हुआ। विहार के मध्य धर्म जागृति संस्थान के शिवा कालोनी स्थित प्रांतीय कार्यालय पर भव्य अगवानी व गुरु अभिनंदन किया गया । कालोनी को रंगोली , गुब्बारो व बेनर्स से सजाया गया तथा प्रत्येक घर के बाहर पाद प्रक्षालन व आरती की गई। कार्यक्रम किरण जैन के मंगलाचरण व प्रांतीय अध्यक्ष पदम् जैन बिलाला परिवार द्वारा पाद प्रक्षालन के साथ शुरू हुआ। इधर संस्थान की और से संरक्षक राकेश माधोराजपुरा, निर्मल पाटोदी, कमल दीवान आदि पदाधिकारियों ने थडी मार्केट में चातुर्मास की व्यवस्थित व्यवस्थाओं के लिए थडी मार्केट के अध्यक्ष पवन जैन नगीना वाले, पंकज जैन लुहाड़िया व सिद्ध सेठी का सम्मान किया। उपाध्याय वृषभा नन्द जी ने धर्म प्रभावना में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान व स्वाध्याय का महत्व अपने आशीर्वचन में बताया साथ ही संस्थान के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में संस्थान के संरक्षक रश्मिकान्त सोनी, सुनील पहाड़िया, ज्ञान चंद भोंच, महेश काला, तीर्थ रक्षा सभा के प्रवीण बडजात्या, मुनि सेवा संघ के महामन्त्री ओम प्रकाश काला मामाजी, महेंद्र सोगानी, सुरेंद्र काला , हरक चन्द हमीरपुर, मुकेश जैन, जैन गजट् के राजा बाबू गोधा युवा मंच के अमित शाह, महिला मंडल की शकुन्तला बिंदायक्या, सहित समाज श्रेष्ठियों की उपस्थिति रही। इधर मंदिर जी के बाहर सजे हुए 21 थाल में लाइन से दोनों और समाज जन द्वारा पाद प्रक्षालन के साथ व मंगल प्रवेश हुआ। जहाँ आरती मंत्री देवेंद्र कासलीवाल, सुनील सेठी, मिश्री लाल काला, नवीन सेठी, धन कुमार शाह, महावीर बिंदायक्या आदि ने की ।भगवान नेमि नाथ के दर्शन के बाद उपाध्याय श्री का मंगल प्रवचन हुआ जिसमे जैन धर्म की मुख्य तीन नियमों का विवेचन किया गया। प्रवचन पूर्व दीप प्रज्वलन प्रदीप जैन, विनोद कोटखावदा व अशोक लुहाड़िया ने किया। मन्दिर जी में शुक्रवार से पाँच दिवसीय श्री जिन सहस्र नाम विधान आयोजित हो रहा है।

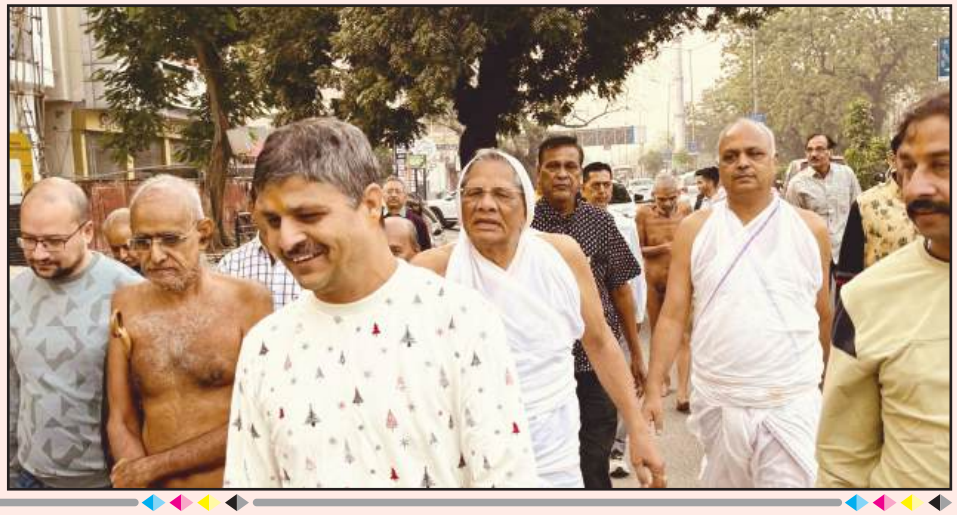

वेद ज्ञान

दूसरों के दुखों को महसूस करें

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। हालांकि समाज हमसे कोई विशेष कार्य की मांग नहीं करता, बल्कि जो कुछ हमें समाज से प्राप्त होता है, उसे ही हमें किसी न किसी रूप में समाज को वापस करना होता है। मनुष्य को कभी भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का अस्तित्व उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग होकर चलते हैं, उन्हें जीवनभर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ मिलकर चलते हैं, उनकी बड़ी से बड़ी समस्या तक मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते हैं तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्म-संतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी काटते या उनका प्रभाव कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं, वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं, जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म-शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है, उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इसके विपरीत जो दूसरों के दुखों को महसूस करे और उनके सामने अपने दुख को भूल जाए, वास्तव में वही जनहित के बारे में सोच सकता है।

संपादकीय

मुश्किल होती शांति की राह...

ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए जी-20 के दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन को लेकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी ने बहुत सी उम्मीदे से जोई थी, लेकिन दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं और चुनौतियों के समाधान में सम्मेलन को बहुत अधिक सफलता नहीं मिली। यूक्रेन संघर्ष और गाजा त्रासदी पूरी मानवता के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। सम्मेलन के बाद संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ जिसमें युद्धरत गाजा के लिए अधिक सहायता

और पश्चिम एशिया एवं यूक्रेन में शत्रुता समाप्त करने का आह्वान किया गया है। आशा बंधी थी कि दुनिया के नेता कूटनीति और वार्ता के जरिए गाजा और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में सफल होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि पिछले दो वर्षों के दौरान परस्पर विरोधी मतभेद इतने बढ़ गए हैं कि बीच का कोई रास्ता खोजने की संभावना बहुत कम हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का जी-20 का आदर्श वाक्य (थीम) एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य उतना ही प्रासंगिक है, जितना पिछले साल था । लेकिन हकीकत यह है। कि धरती बंटी है, परिवार में कलह है, और महत्त्वाकांक्षा के कारण समान भविष्य को नजरंदाज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान के सबसे ज्वलंत मुद्दे को उठाते हुए कहा कि

वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से ग्लोबल साउथ के विकासशील और अर्धविकसित देश सबसे अधिक प्रभावित हैं। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के नेता युद्ध रोकने की बजाय हथियारों की आपूर्ति करने में लगे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन संघर्ष को रोकने के पक्ष में हैं, लेकिन पश्चिम एशिया में इस्राइल को अधिक समर्थन देने तथा चीन के खिलाफ सख्त आर्थिक और सैनिक रवैया अपनाने के समर्थक हैं। ऐसे में संयुक्त वक्तव्य में युद्ध समाप्त करने का आह्वान मात्र औपचारिकता है। शिखर सम्मेलन की शुरूआत में ब्राजील के राष्ट्रपति लूईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने भूख और गरीबी से लड़ने के अभियान का आहवान किया। इस अभियान को पहले ही करीब 80 देशों का समर्थन हासिल हो चुका है। जाहिर है। कि सम्मेलन की यह एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इस अभियान का बीज भारत ने पिछले साल जी-20 की अध्यक्षता करते हुए रोपा था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा के लिए अपनाए गए सिद्धांतों का विस्तार बताया। -राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भरोसे की कूटनीति

सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चल रही कवायद के जरिए भारत-चीन संबंधों ने नया आयाम हासिल किया है। दोनों देश लगभग पांच साल के अंतराल के बाद सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक जल्द बुलाने वाले हैं। साथ ही, दोनों देशों में सीधी उड़ान बहाल करने और मानसरोवर तीर्थयात्रा दोबारा शुरू करने को लेकर सहमति बन रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी से शांति और सौहार्द बनाए रखने में मदद मिली है और अब भरोसा बहाल करने के आगे के कदम उठाए जा रहे हैं। सीमा विवाद के अलावा दोनों देशों के बीच जो मुद्दे अरसे से लंबित रहे हैं- मसलन, सीमावर्ती नदियों के आंकड़े साझा करने समेत आपसी सहयोग बढ़ाने के तमाम विषयों पर बातचीत शुरू की गई है और प्रगति संतोषजनक है। असल में चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण रिश्तों का असर रूस और दक्षिण एशिया के अन्य देशों पर भी पड़ रहा था। रूस-यूक्रेन संघर्ष लगातार बना हुआ है, उसमें रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए भारत से उसके मजबूत रिश्ते अहमियत रखते हैं। चीन से भारत की तनातनी के कारण यह समीकरण कारगर नहीं हो पा रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से रूस ने पहल की और भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास दूर होनी शुरू हुई। अमेरिका इस तनाव का लाभ उठाने का प्रयास कर रहा था। जबसे चीन के साथ भारत के संबंध कुछ मधुर होने शुरू हुए हैं, अमेरिका की प्रतिक्रिया का भारत के कूटनीतिज्ञ विश्लेषण कर रहे हैं। रूस के साथ भारत की नजदीकी से वह खफा है। अभी अमेरिका ने 19 भारतीय कंपनियों पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगाए हैं कि वे रूस को मदद पहुंचा रही थीं। हालांकि, भारत ने अपने रिश्तों में संतुलन बनाए रखा है। रूस के साथ अपने रिश्तों में किसी तरह की खटास नहीं आने दी है और अमेरिका से भी नजदीकी बनाए रखी है। भारत की आर्थिक हैसियत लगातार बढ़ रही है और वह वैश्विक दक्षिण देशों के लिए भी भरोसेमंद साझीदार बन रहा है। इस कारण कोई भी ताकत भारत को नजरअंदाज नहीं कर पा रही। चीन का बड़ा व्यापार भारत के साथ है, वह उसे किसी भी रूप में गंवाना पसंद नहीं करेगा। भारत और चीन के बीच चल रही मौजूदा कवायद से तमाम समस्याओं पर स्थायी समाधान की उम्मीद की जा सकती है। मानसरोवर तीर्थयात्रा शुरू होने का भारतीय श्रद्धालु अरसे से इंतजार कर रहे हैं। सीधी उड़ान सेवाओं से विद्यार्थियों और पेशेवरों को राहत मिलेगी। हालांकि, सवाल अभी भी है कि चीन अपने ताजा रुख पर कब तक कायम रह पाता है। जब तक वह अपनी विस्तारवादी नीतियों से तौबा नहीं करता, उसके किसी भी कदम पर बहुत भरोसा करना ठीक नहीं। यह समझना होगा कि भारत और चीन सिर्फ पड़ोसी ही नहीं हैं, वे दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भी हैं। वे एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। दोनों पक्षों ने अतीत में दिखाया है कि मजबूत आर्थिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क में सीमा विवाद बाधा नहीं बनते। अतीत में व्यापार संबंध जबदस्त ऊंचाई पर रहे, लेकिन निवेश, यात्रा और वीजा सहित कई क्षेत्रों में संबंध टूट गए। उनकी बहाली की कवायद स्वागतयोग्य है। संबंधों में भरोसा बहाल हो और यह स्थायी हो, तभी बात बनेगी।

युवा परिषद ने प्राप्त किया आचार्य पुलक सागर का गुरु पूजन एवं आरती का सोभाग्य

1008 दीपकों से की आरती एवं महामाला भेट की

ऋषभदेव. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र ऋषभदेव,उदयपुर में चातुर्मासरत आचार्य पुलक सागर जी महाराज की अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद ऋषभदेव द्वारा गुरु पूजन एवं महाआरती का सोभाग्य प्राप्त किया। आचार्य पुलक सागर ने धर्मोपदेश में बताया की पूजन हमेशा पूजन की गणवेश में सही मनोभाव से होना चाहिए। शादी समारोह में यदि तैयार होने में कोई कमी नहीं रखते है तो भगवान और गुरुओ के पूजन में भी कोई कमी नहीं होनी चाहिए। अभी तक जितने भी पूजन हुए उसमें युवा परिषद् की टीम को सर्वश्रेष्ठ लगना बताया। परिषद् के प्रदेश संयुक्त महामंत्री सचिन गनोडिया ने बताया की सुबह आचार्यश्री की उपस्थिति में सभी सदस्यो ने कक्ष के बाहर अनोखी रंगोली एवं डेकोरेशन कर सजावट की। इसके बाद पूजन की ड्रेस में सभी ने आचार्यश्री का नाचते गाते पूर्ण भक्ति भाव के साथ गुरु पूजन किया। अन्य श्रद्धालुओं के लिए पूजन के बाद प्रभावना की व्यवस्था की गई। परिषद के अध्यक्ष अतुल अकोत और पुष्पदन्त मेहता ने बताया की पूरे परिषद के सदस्य गले में माला, मस्तक पर मुकुट बांधे एक जैसी पूजन ड्रेस में ऐसे लग रहे थे जैसे साक्षात इंद्रलोक धरती पर उतर गया हो। परिषद के गौरव वालावत एवं अंकित भानावत ने बताया की शाम को युवा परिषद के सभी सदस्य अतुल अकोत के घर एकत्र हुए जहा ढ़ोल के सामने सभी महिला एवं पुरुष साफे को धारण किये हुए नाचते गाते हुए हाथों में 1008 दीपको की आरती सजाकर गुरुकुल पहुंचे। जयकारो के साथ पांडाल में प्रवेश किया। परिषद के आशीष गांधी एवं अक्षय दलावत ने बताया की आचार्य पुलक सागर को महामाला भेट की। 1008 दीपको की महाआरती उतारी। पांडाल को गुब्बारो और कोल्ड फायर से सुसज्जित किया गया। जिलाध्यक्ष सुनिल लुणदिया ने बताया की कार्यक्रम को रोचक एवं ऐतिहासिक बनाने में रीना दोवडिया, पारुल गनोडिया, मोनिका गनोडिया, खुशबु कीकावत, धनपाल दोवडिया, दीक्षान्त कीकावत, अतुल अकोत, योगेश गांगावत, कुशल शाह, अमित गनोडिया, पुष्पदन्त मेहता, गौरव वालावत एवं गौरव लुणदिया का विशेष आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान परिषद के अंजली अक्षय दलावत, अंजना मिथिलेश भंवरा, पारस गांधी, रेशमा बाहुबली गांधी, सारिका लुनदिया, पुष्पदंत मेहता, नलिनी अकोत, वर्षा आशीष गांधी, अंकित भानावत, पायल वालावत, चेतना प्रशांत जैन, संगीता हिमांशु गनोडिया, ऋषि भानावत, वर्तिका कमलेश वानावत, निधि दोवडिया, दीप्ती गांगावत, प्राची जैन, कामिनी तरुण अकोत, विराट अकोत सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारीगण एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

निम्बार्क जयंती पर छठी महोत्सव में भक्ति रस से सराबोर हुए श्रोता

महाप्रसादी का लिया आनन्द

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री निंबार्क जयंती महोत्सव के तहत गुरुवार को संत दर्शन और महाप्रसादी के बीच सुमधुर भक्ति संगीत और बधाईगान के साथ छठी महोत्सव मनाया गया। इससे पहले बुधवार को छोटी काशी जयपुर में जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज का सानिध्य पाकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। चांदनी चौक स्थित श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर जगद्गुरु श्री श्रीजी महाराज और संत वृंदों का वैष्णव जनों ने दर्शन और चरण बंदन किया। इस अवसर पर श्री जी महाराज ने आशीर्वचनों में निंबार्क संप्रदाय के द्वैताद्वैत सिद्धांत पर प्रकाश डाला। सेवाकुंज आश्रम जगतपुरा के महंत और ख्यातनाम संत श्री कृष्ण शरणम दास कल्याण बाबा, पलसाना गोपाल मंदिर के महंत मनोहर शरण महाराज अजमेर पुष्कर श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर के महंत श्यामसुंदर दास, नरेना के संत श्याम सुंदर शरण सहित अनेक मठों मंदिरों और संप्रदायों के संत, महंतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में गुरुकुल के बालकों और वैष्णव जनों ने जै जै के श्रीवचनों को आत्मसात किया। श्री सर्वेश्वर संसद, निंबार्क सत्संग मंडल, निंबार्क महिला मंडल और नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस उत्सव के तहत भजन गायक जुगल सैनी के नेतृत्व में अन्य कलाकारों के सुमधुर भजनों से श्रद्धालु भक्तिरस से सराबोर हुए। थांकी जय हो अरुण कुमार जयंती के लाला..., गोविन्द मेरो है गोपाल मेरो है..., मेरे मनमोहन की प्यारी राधे वृषभानु दुलारी जैसे व्रजभाषा के चिरपरिचित गीतों पर रसिकता भावविभोर हुए।

मुक्तक

आ गई है सर्दी,विक्स की भाप लो ।
सिघड़ी,हीटर , चूल्हे से ताप लो ।।
आरोप लगाने वालों,खुद की करों जाँच ,
ताक झाक छोड़ के,खुद में झाकलों ।।

स्वाभिमान में रहो,अहम में ना रहो ।
तुमसे कोई महान नही , वहम में ना रहो ।।
सुख पाकर गुब्बारे से, फूलों मत तुम ,
दुख में रहो सम,कभी गम में ना रहो ।।

ना कोई शत्रु है ना कोई मित्र है ।
संसार सपन है सब झूठे चित्र है ।।
तुम इत्र की हो सीसी इतना जान लो ,
संभाल के रखेंगे जब तक इत्र है ।।

मृग मरीचिका है या फिर,पानी है भरा ।
बादल जमी से मिल रहे या,धुआं उठ रहा ।।
देखा सुना सदा ही सच,हो नही सकता ,
उसने भला क्या कहा,तुम पुछलों जरा ।।

गुजरी है राते और गुजर जाएंगे ये दिन ।
चाहोगे फिर भी फिर से ना आयेंगे ये दिन ।।
छोड़ दो मायूसी तुम,जीलो खुशी खुशी ,
देखना हजार खुशियां लाएंगे ये दिन ।।

नवीन जैन
नव बीगोद राजस्थान

अहिंसा ग्रीन वैली में संपन्न हुआ विहसंत सागर पब्लिक स्कूल का भूमि शिलान्यास समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्यश्री विरागसागर जी महाराज एवं चार्य शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ की पावन प्रेरणा एवं निर्देशन एवं मंगल सानिध्य में जैन समाज आगरा की मंगल भावनाओं से भारतीय संस्कृति से समाहित आगरा के एत्मादपुर स्थित कुबेरपुर के अहिंसा ग्रीन वैली में प्रथम बार बनने जा रहे विहसंत

सागर पब्लिक स्कूल का भव्य भूमि शिलान्यास समारोह का आयोजन 21 नवंबर को सानंद संपन्न हुआ। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ हीरालाल बैनाड़ा एवं बीना बैनाड़ा परिवार ने ध्वजारोहण के साथ किया। बालिका एवं महिलाओं ने बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज एवं चार्य शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण वीरेंद्र मोठया,विभोर मोठया एव नीरज जैन,विमलेश जैन मारसंस डॉ राजीव जैन द्वारा किया गया,साथ ही समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज एवं आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र का दीप प्रज्ज्वलन जगदीशप्रसाद जैन,भोलानाथ जैन सिंघई,राजेश जैन कारपेट द्वारा किया गया। विहसंत सागर चैरीटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद लियोशिलान्यास समारोह के मध्य में उपाध्यायश्री विहसन्तसागर जी महाराज की मंगल वाणी भक्तों को श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुओइस अवसर पर आयोजक समिति ने बाहर से पधारे अतिथियों का माला एवं दुपटा पहनकर एवं स्वागत सम्मान कियोइस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लॉयंस क्लब ऑफ के चैयरमेन एलआईई पीसी जितेंद्र सिंह चौहान मौजूद रहे। जिनका आयोजक समिति ने स्वागत अभिनंदन किया।शिलान्यास समारोह में संगीत शशि पाटनी एवं विशाल जैन द्वारा दिया गया। इसके बाद विधानाचार्य डॉक्टर अभिषेक जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ नवीन विहसंत सागर पब्लिक स्कूल की मुख्य शिला प्रदीप जैन पीएनसी एवं अभिनंदन जैन पीएनसी परिवार ने स्थापित की, इसके साथ ही सभी भक्तों ने मुख्य कलश एवं चांदी की शिलाएं स्थापित कर भूमि शिलान्यास की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं। जिसमें श्रद्धालुओं ने विहसंत सागर पब्लिक स्कूल के भूमि शिलान्यास में बढ़चढ़कर दान दियोकार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एव उमेश जैन भिंड वालों द्वारा किया गयोकार्यक्रम के बाद दोपहर 3:00 बजे उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ ने अहिंसा ग्रीन वैली एत्मादपुर रोड से मैनपुरी पंचकल्याणक महोत्सव के लिए मंगल विहार हुओइस अवसर पर विहसंत सागर पब्लिक स्कूल के भूमि शिलान्यास में विहसंत सागर चैरीटेबल ट्रस्ट के प्रदीप जैन पीएनसी रोहित जैन अंहिसा,रिचा जैन अंहिसा, अजीत कुमार जैन,पारस जैन,संभव जैन,कैलाशचंद जैन,अमित जैन, मुकेश जैन रपरिया,शैलेंद्र जैन रपरिया मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राकेश जैन पर्देवाले अंकेश जैन,कुमार मंगलम जैन,अंकुश जैन,समकित जैन, राजकुमार गुड्डू समस्त कलाकुंज, अवधपुरी,सेक्टर 7,सेक्टर 4,कमला नगर बेलनगंज छीपीटोला के अलावा विभिन्न शैलियों की सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर धर्मलाम लिया।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा से
यदि आप जानना चाहते हैं कि आपको कौन नियन्त्रित करता है,
तो आप आँख मूंदकर सोचें हम किसके बारे में गलत नहीं सोचते - ?
और यह भी जानो कि हम क्या नहीं जानते- ?
जो नहीं जानते उसके बारे में जानने की शुरूआत
आज से ही शुरू कर देना चाहिए.. !

मनुष्य का स्वभाव बन गया है कि मान्यताओं की खोज करना। किसी समूह की मान्यताओं से जुड़ने के बाद हमें लगता है कि हम सम्बद्ध हो गये और मान्यताओं की पहचान बन गये। और हम अपने आप को पूर्वाग्रहों की धारणाओं से मजबूत समझने लगते हैं। जबकि विनय, विवेक और विचारशील मनुष्यों की बुनियादी प्रवृति देखी गई है कि वे बनी-बनाई

मान्यताओं पर आँख मूंदकर नहीं चलते। बल्कि उनके पद चिन्ह ऐसे आदर्श की मिसाल बन जाते हैं जो पन्थ का नहीं, पथ का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आज जहाँ देखो पन्थवाद, सन्तवाद, सम्प्रदायवाद, पूर्वाग्रह, दुराग्रह, हटाग्रह से पीड़ित लोग धर्म की आड़ में इन सब विशेषणों को बेशरम के पेड़ की तरह लगाने और फैलाने में लगे हुये हैं। धर्म का मर्म अनन्त सुख है और पन्थवाद, सन्तवाद, सम्प्रदायवाद, का सुख आपकी एक श्वास रूकने तक का है। आप कहीं भी जाओ, अब धर्म की खुश्बू नहीं आती। बल्कि धर्म के नाम पर पूर्वाग्रह, दुराग्रह, हटाग्रह, सन्तवाद, पन्थवाद, सम्प्रदायवाद की बू आ रही है। इसलिए - -धर्म अग्नि की तरह है- जो भी धर्म की शरण में आयेगा, उसके पाप का, दुराचार का, अनाचार का, व्यभिचार का दहन होगा ही होगा। धर्म पानी की तरह है - जो भी धर्म का पानी पीयेगा, धर्म उसकी प्यास बुझायेगा ही बुझायेगा। धर्म औषधी के समान है - जो धर्म की औषधी खाएगा, उसके जन्म मरण का नाश होगा ही होगा। धर्म एक ही है - अहिंसा, संयम, तप और दया। दिल्ली एक है- आने के मार्ग अलग-अलग है। अग्नि एक है - जो भी अग्नि में हाथ डालेगा, वो जलेगा ही जलेगा ...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

मानव जीवन का सदुपयोग करना ही जीवन की उपलब्धि है: मुनि श्री अरह सागर जी महाराज

दो दिसंबर को होने वाली रथयात्रा आपके सानिध्य में हो: विजय धुर्रा

आज होगी विशेष जगत कल्याण के लिए शान्ति धारा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हम भाग्यशाली हैं कि हमें जीवन जीने का अवसर मिला आज हमें प्रभु का अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस तरह की हर खुशी को हम जीना सीखें इन छोटी छोटी खुशियां आपको आपके ही नजदीक ले जातीं हैं इन खुशियों की याद दिलाने यदि संतों का सान्निध्य मिल जाए तो क्या कहना साधु संतो का जीवन बहतीं हुई नदी की धारा की तरह है जो एक बार वह कर निकल गई वह कभी वापिस नहीं आती इसलिए वहती हुई नदी के जल को जिसने अपने आचमन कर लिया तो कर लिया नहीं तो धारा तो वहीं जा रही ऐसे ही ये दुर्लभ मनुष्य पर्याय क्षण क्षण घट रही है इस मानव जीवन का जिसने सदुपयोग कर लिया तो कर लिया हर सहयोग वियोग में होता है अभी आप एक साथ बैठे है धर्म सभा पुर्ण हुई आप अपने-अपने स्थान को चले गए।

कल कमेटी करेगी श्री फल भेंट

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सन् उन्नीस सो वानवे में हुए ऐतिहासिक त्रिकाल चौबीस पंच कल्याणक महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ एवं विश्व इतिहास में पहली बार हुए सप्त गजरथ महोत्सव की तेंतीस वी वर्षगांठ एवं भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य वृषभ रथ यात्रा के साथ ही भगवान श्री शान्तिनाथ श्री कुन्थनाथ अरहनाथ स्वामी के महा मस्तिष्काभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हो कल पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई श्रेयांस जैन मनीष सिंघ ई मनोज रन्नौद सहित पूरी कमेटी की ओर से हम सामूहिक श्रीफल भेंट करेंगे कल का दिन सब को विशेष होगा कल परम पूज्य गुरुदेव के श्री मुख से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा होगी

जिन भावों से संसार बसाता है उन्ही भावों से समेट भी सकते हैं

मुनि श्री ने कहा भावना भव नासनी यदि हम भावना वनना प्रारंभ कर दे तो वह दिन दूर नहीं जब एक दिन हम भी मुक्ति को प्राप्त करेंगे जिन भावों से संसार बसाते हो वही भावना संसार को समेट सकतीं हैं बस इसके लिए निरन्तर प्रयास करते रहना होगा सब चाहते हैं कि हमें भी प्रभु चरणों में जगह मिले लेकिन जव तव आप समर्पित होकर प्रभु चरणों में नहीं आयेंगे तब तक संभव नहीं है सबसे पहले समर्पण चाहिए उन्होंने कहा कि अहंकार से भरे व्यक्ति को कुछ भी नहीं मिल सकता पंचम काल संसार से मुक्त हो सकते हैं आप अपनी दुर्बलताओं को दूर करे अपनी कमजोरियां को दूर कर दे आप बात बात अपशब्द बोलते हैं यदि आप ने कोशिश की तो आप अपशब्द बोलना छोड़ देंगे।

विशाल घट यात्रा के साथ सिद्ध चक्र विधान का शुभारंभ

परतापुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य मुनि श्री अजीत सागर निरागजी ऐलक विवेक सागर जी महाराज के मंगल प्रवेश के समय घोड़ा बग्गी ऊंट गाड़ी बेड बाजो नवयुग मंडल के युवा जैन धर्म ध्वजाऐ लिए साथ चल रहे थे। विशाल घट यात्रा के साथ सिद्ध चक्र विधान का शुभारंभ आज प्राप्त हुआ। आदिनाथ कॉलोनी में मंदिर जी में श्रीजी का अभिषेक शांति धारा के पश्चात पंडाल शुद्धी हेतु 101 कलशो से जल भरकर विशाल शोभा मुनिश्री के संघ सहित साथ सिद्ध चक्र विधान मंडल पंडाल पहुंचे। जहां पर मुनि श्री की अगवानी की गई एवं पाद प्रशालन पुष्पेंद्र जयंतीलाल विरोधय ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष मोहनलाल जैन, मुकेश गांधी, रमलाल लाल गांधी आदि ने किया । प्रतिष्ठा आचार्य सुयश प्रदीप भैया अशोक नगर मध्य प्रदेश विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी शैलेंद्र भैया, वीना दीदी के दिशा निर्देशन में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का ध्वजा रोहण किया गया। ध्वजरोहण के पश्चात 101 कलशो से पंडाल शुद्धी की गई मंत्रो उच्चारण के साथ श्री जी को समवशरण में विराजमान किए गए तत्पश्चात मंत्र उच्चारण के साथ इंद्र प्रतिष्ठा की क्रियाएं की गई मुख्य पात्र सो धर्म इंद्र कुबेर इंद्र ईशान इंद्र यज्ञ नायक थे इस अवसर पर महिलाएं शुद्ध केसरिया वत्रोमें एवं पुरुष सफेद माला एवं मुकुट धारण किये इस अवसर पर हुमड समाज अध्यक्ष दिनेश खोडनिया आगमन हुआ उनका हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया गया, मुनि श्री के मंगल प्रवचन के बाद, देव शास्त्र गुरु की पूजन के बाद सिद्ध चक्र विधान के आठ अर्ध गीतकार राजेश जैन के मधुर स्वर लहरों के साथ चढ़ाए गए।

प्रमाण सागर जी महाराज द्वारा चापानेरी में इंग्लिश मीडियम स्कूल व छात्रावास की घोषणा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नागोला। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम चापानेरी में प्रमाण सागर जी महाराज द्वारा इंग्लिश मीडियम स्कूल एवं छात्रावास घोषणा की। यह घोषणा गाँव के लिए गौरव का विषय व इस घोषणा से पूरे गाँव मे हर्ष का माहौल है। चापानेरी निवासी एडवोकेट अजय जैन ने बताया कि गुणायतन परिवार द्वारा भारत मे 2 जगह इंग्लिश मीडियम स्कूल एवं छात्रावास की घोषणा हुई। जिसमें पहले प्राथमिकता राजस्थान के केकड़ी जिले के चापानेरी को दी गई व वही दूसरे स्थान के लिए मध्यप्रदेश के सागर जिले के लोहारी गाँव के लिए घोषणा हुई है। अब गुणायतन द्वारा इसकी कार्य योजना बनाई जाएगी चापनेरी में स्कूल की,घोषणा हेतु जैन समाज के गौरव आर के पाटनी व चापानेरी निवासी जैन समाज के गौरव नेमीचंद जैन हाल निवासी दिल्ली द्वारा विशेष प्रयत्न किए गए। नेमीचंद जी जैन चापानेरी जैन समाज के सरंक्षक के रूप में प्रत्येक कार्य मे अग्रणी रहते है,वही स्कूल में लगभग 1,000 छात्र क्षमता की सर्व समाज के लिए होगी,जिसमें सभी सुविधाओं से युक्त होगी,इस अवसर पर नेमीचंद जैन के छोटे भाई पारस अजमेरा का समस्त जैन समाज चापानेरी व ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर भागचंद जैन, अरविंद जैन, भंवर मेवाड़ा, सत्यनारायण, भागचंद आर्य, प्रियंका, जीवराज आदि उपस्थित रहे।

15 महिलाओं एवं बालिकाओं को गर्म वस्त्र की सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। सर्द ऋतु के प्रारंभ होते ही लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के सहयोग से उदयपुर के विठ्ठल फार्म हाउस खेड़ादेवी मंदिर रोड पर उदयपुर ग्रामीण के आदिवासी बाहुल्य गांव बीड़ा की 15 महिलाओं एवं बालिकाओं को ठंड से राहत देने के लिए गर्म वस्त्र के साथ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के माध्यम से उदयपुर भेजी गई सेवा को बूजरा गांव के सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल लाल जी सोलंकी और नादरा गांव की कमलादेवी के आथित्य में सेवा को जरूरतमंद परिवार की महिलाओं को भेंट किया। लायन अतुल पाटनी ने वितरण के कार्य में सहयोग करने वाले राजकुमार, मयंक खंडेलवाल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कोटा थर्मल में सीआईएसएफ का श्रीअन्न फूड मेला

श्रीअन्न से होने वाले लाभ हेतु आमजन को किया प्रोत्साहित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। कोटा थर्मल में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के इकाई प्रभारी राकेश निखज के निर्देशन में श्रीअन्न फूड मेले का आयोजन थर्मल कालोनी के टेनिस ग्राउण्ड में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोटा थर्मल के मुख्य अभियन्ता के एल मीणा अपनी धर्म पत्नी सहित सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अभियन्ता के एल मीणा एवं सीआईएसएफ प्रभारी राकेश निखज द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। मेले में श्रीअन्न के प्रचार प्रसार हेतु इकाई के बल सदस्यों, इशिका जैन व अशोक जैन द्वारा श्री अन्न से बनने वाली विभिन्न व्यंजनों एवं उत्पादों की स्टाल लगाई गईं इस मेले में श्री अन्न में मौजूद पोशक तत्वों की महत्वता की विस्तृत जानकारी देने हेतु डॉ राधेश्याम गोस्वामी सम्मिलित हुए मेले में श्री अन्न के प्रति जागरूकता के लिये विभिन्न खेलों का आयोजन भी किया गया। मुख्य अभियन्ता के एल मीणा द्वारा श्रीअन्न के उपयोग के लिये आम जन में जागरूकता हेतु बहुत ही अच्छी पहल के रूप में बताया गया कि श्रीअन्न को अपने देनिक भोजन में उपयोग हेतु सभी जन को प्रोत्साहित किया। उप कमांडेंट श्री राकेश निखज द्वारा श्रीअन्न के प्रयोग से होने वाले लाभ को प्रकाशित करते हुए बताया गया कि इसके प्रयोग से पाचन सही रहता है, हड्डियाँ मजबूत होती है वजन कम होता हे हार्ट के लिये फायदेमन्द होता हे एवं डायबिटीज को कन्ट्रोल करने में सहायक होता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सुनिल चपलोत को मिला श्रमण संघ सेवा सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अहिंसा भवन शास्त्री नगर के मंत्री दिनेश मेहता ने जानकारी दी कि भीलवाड़ा निवासी और समाजसेवा में समर्पित गुरु भक्त सुनिल चपलोत को श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी, उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी आदि ठाणा के सानिध्य में लोकाशाह जयंती और युवाचार्य मधुकरमुनि पुण्यस्मृति समारोह के अवसर पर श्रमण संघ सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।यह सम्मान चेन्नईश्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के सह-चेयरमैन भीकमचंद लूंकड़, अध्यक्ष सुरेश लूणावत और महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रदान किया। चपलोत को अभिनंदन पत्र और नवकार रजत पदक से सम्मानित किया गया।इस उपलब्धि पर अहिंसा भवन शास्त्री नगर के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना, हेमंत आंचलिया, मीठ्ठालाल सिंघवी और अन्य पदाधिकारियों ने चपलोत को हार्दिक बधाई दी और उनका अभिनंदन किया।

साध्वी सुमंगला श्री जी की नवीं पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। बरखेड़ तीर्थोद्वारिका महत्तरा सुमंगला श्री जी महाराज साहब की नवीं पुण्यतिथि के अवसर पर बरखेड़ा तीर्थ के अंदर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पहले स्नात्र पूजा का आयोजन किया गया ।पश्चात सब सुमंगला श्रीजी की समाधि स्थल पर जाकर लोगों द्वारा माला एवं पुष्प अर्पण किये गये। इस अवसर कुसुमप्रभा श्री जी सयम रत्ना श्रीजी ने सुमंगला श्री महाराज साहब को वंदन किया एवं लोगों को आशीष वचन कहे। इस अवसर पर जीवदया पर गायो को चारा व हरी सब्जीयाँ डलवाई गई एवं स्कूलो मे बच्चो को प्रभावना प्रदान की। इस अवसर पर गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नवनिर्मित दिगम्बर जैन मंदिर तिलकनगर में वेदी व शिखर के शिलान्यास का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

आचार्य सुन्दर सागर महाराज का 22 नवम्बर शुक्रवार को होगा मालपुरा की ओर विहार

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। यश विहार तिलक नगर में श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर एवं सेवा ट्रस्ट तिलकनगर के तत्वावधान में तिलकनगर में निमार्णाधीन दिगम्बर जैन मंदिर में वेदी शिलान्यास का चार दिवसीय कार्यक्रम जो आज 21 नवम्बर गुरूवार को राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल सानिध्य में सआनन्द सम्पन्न हुआ। प्रातः निमार्णाधीन मंदिर में वेदी व शिखर का शिलान्यास व महायज्ञ हुआ। जिसमें कई श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेवा ट्रस्ट एवं सभी मंदिरों के अध्यक्षों द्वारा मंगलाचरण, पाद प्रक्षालन मुनि सेवा समिति के सदस्यों द्वारा, मंगलाचरण प्राची कासलीवाल व प्रगति जैन को सौभाग्य प्राप्त हुआ। आचार्यश्री सुन्दर सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि - जिनेन्द्र भगवान की मुद्रा का दर्शन मात्र हमें वीतरागता के अवलंबन से हमको भी मोक्ष मार्ग प्रशस्त करता है और जन्म, जरा, मृत्यु का विनाश करता है। राग, द्वेष, मिथ्यात्व, मोह, कषाय का निवारण करता है और आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। सम्यक दृष्टि जीव जो भी मन से दान देता है तब वह दान बड़ा फलदायी होता है। दिनेश सेठीया ने बताया कि मूल नायक भगवान की वेदी के शिलान्यास का सौभाग्य गुलाबचन्द मनीष कुमार नीरज शाह परिवार ने, देबीलाल माणक राजेन्द्र प्रदीप बाकलीवाल परिवार, शांति देवी दिलीप प्रवीण नवीन राहुल चौधरी परिवार, मनोहर देवी विनोद कमलेश सोमेश ठग परिवार, भैरूलाल अतुल आगम कासलीवाल परिवार, सुनन्दा अशोक कुमार ज्योति अभिषेक डुगेरिया परिवार कोटा वालों को मिला। दोपहर में सहस्त्रनाम विधान का आयोजन सत्येन्द्र एण्ड पार्टी द्वारा मय संगीत के साथ हुआ, जिसमें 108 अर्घ समर्पण किये गये। इस विधान में कई श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। विधान के समापन पर मण्डल एवं ध्वजा विसर्जन किया गया। सभी वेदी पुण्यार्जकों, शिलान्यास कताओं का, मूर्ति प्रदाताओं का, शिखर पुण्यार्जकों का एवं चातुर्मास कराने के लिये अध्यक्ष राकेश पाटनी, मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी, संचालनकर्ता पद्म चन्द काला एवं ट्रस्ट अध्यक्ष दिनेश सेठिया का श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर एवं सेवा ट्रस्ट तिलकनगर द्वारा सम्मान किया गया। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ द्वारा 22 नवम्बर शुक्रवार को भीलवाड़ा यश विहार से विहार दोपहर 2 बजे मालपुरा की ओर होगा, महाराज ससंघ कोटड़ी, कोठाज, पारोली, रोपा, पण्डेर, सावर, केकड़ी होते हुये मालपुरा पहुंचगें। महावीर सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि महाराज ससंघ के विहार की रास्ते की आहार व रात्रि विश्राम की व्यवस्था की पूर्ण तैयारियां कर ली गई है।

महामंडल में मनाया आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का तेतीसवां दीक्षा दिवस

युवा पुरुषार्थ के साथ पुण्य भी कमाये : मुनि समत्व सागर

समोवशरण में हुई सोना चाँदी की बरसात

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी में मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ सानिध्य में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ में चौथे दिन श्रीमंडप भूमि मंडित अर्हत पूजा कर समोवशरण में विराजमान जिनेंद्र देव के समक्ष 75 अर्घ्य चढ़ाये गये। मंदिर समिति अध्यक्ष केवलचंद गंगवाल ने बताया कि महामण्डल विधान में पूजा अर्चना के साथ आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का तेतीसवां दीक्षा दिवस बड़ी धूम धाम के साथ मनाया गया । मुनि समत्व सागर ने आचार्य विशुद्ध सागर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये बताया कि आचार्य श्री ने सदैव कृत्यों व परिणामों की शुद्धता पर जोर दिया है। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आचार्य श्री की पूजन कर नाचते गाते भक्ति करते हुए अर्घ्य चढ़ाये। समिति मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि धर्मसभा से पूर्व एक आह्वान पर समोवशरण में भक्तों ने सम चाँदी की बरसात सी कर दी ।समाज श्रेष्ठी कपूर चंद अशोक बोहरा काशीपुरा परिवार ने सोने का कलश भेंट किया । कमलादेवी कैलाश चंद सौगानी परिवार चनानी ने चाँदी

की पाण्डुकशिला दान की, महाआरती पुण्यार्जक गुणमाला सुनील बडजात्या लालसोट परिवार ने चाँदी का आरती का थाल दान किया। इसके अलावा श्रावकों ने सात चाँदी के सिंहासन भी भेट किए एवं सैकड़ो लोगो ने सौ सौ ग्राम चाँदी देने की घोषणा की। कुछ लोगो ने एक ग्राम, दो ग्राम, पाँच ग्राम सोना देने की भी घोषणा की है।उस समय ऐसा लग रहा था कि समोवशरण में सोने चाँदी की बरसात हो रही है। हर कोई अपनी श्रद्धा अनुसार दान दे रहा था। एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन के मुताबिक सुबह जल्दी ही विशेष पूजा अर्चना के साथ कल्प द्रुम मण्डल विधान की पूजा प्रारंभ हुई। श्री जी का अभिषेक कर वृहत शान्तिधारा करने का सौभाग्य समाज श्रेष्ठी प्रदीप कुमार विमल बाकलीवाल साँवरिया, रामचंद्र आशीष बैद परिवार ने प्राप्त किया।

अंतरंग की विशुद्धता से फैलती यश और कीर्ति : मुनि समत्व सागर

मुनि श्री ने प्रवचन करते हुये कहाँ कि गुरु की दृष्टि बहुत व्यापक होती है इसीलिए जीव को श्रेष्ठ बनना है तो अपने आप को गुरु चरणों में समर्पित कर देना चाहिए । बुद्धि का विकास अंतरंग की विशुद्धि से होता है इसीलिए जीवन में विशुद्धि चाहिए तो कषायों का त्याग करना होगा। अंतरंग की विशुद्धि होने से यश कीर्ति अपने आप फैलने लगती है। उन्होंने युवाओं से कहाँ कि उन्हें सुखद जीवन के लिए पुरुषार्थ के साथ साथ पुण्य भी कमाना चाहिए । इससे पूर्व पाद पक्षालन का पुण्यार्जन विशाल ठोलिया परिवार ने प्राप्त किया।

-विनोद जैन कोटखावदा